समन्वित कृषि पद्धति द्वारा विकास की ओर अग्रसर

कृषक का नाम	:	**सोनूराम मंडावी पिता श्री घीनूराम मंडावी**
पता	:	**ग्राम जरेबेंदरी, ग्राम पंचायत– बोलबोला, वि.ख. कोंडागांव, जिला– बस्तर (छ.ग.)**
जाति	:	**अ.ज.जा.**
मोबाइल	:	**09479005463**
आयु	:	**36 वर्ष**
षिक्षा	:	**आठंवी**
कृषि अनुभव	:	**14 वर्ष**
परिवार सदस्य	:	**05**
कृषि भूमि	:	**1.5 एकड़, 0.30 एकड़ बाडी कुल भूमि – 1.80 एकड़**
सिंचाई स्त्रोत एवं साधन	:	**बरसाती नाला केरोसिन पंप 3 एच.पी. विघुत पंप 1एच.पी.**
मुख्य फसलें	:	**धान, मक्का एवं सब्जियाँ**
पशुधन	:	**बैल 2 नग, मुर्गी 60 नग**
समाजिक स्तर	:	**सचिव स्वसहायता समूह**
सम्मान	:	**किसान सम्मान पत्र –कृषक समृद्धि मिषन रायपुर (छ.ग.) वर्ष 2010**

अंगीकृत उन्नत तकनीकी का विवरण :–

कृषि विज्ञान केंद्र, बस्तर द्वारा संचालित डी.पी.ए.पी हरियाली परियोजना (वर्ष 2006–07) एवं राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना (वर्ष 2008–09) में कृषक सोनूराम मंडावी का चयन किया गया एवं जलग्रहण परियोजना से लाभान्वित हुआ । सोनूराम ने धान, मक्का एवं सब्जी की उन्नत तकनीक की जाकनारी प्राप्त कर अपनी खेती में बदलाव लाया । देषी किस्मों की जगह, धान की उन्नत (एम.टी.यू 1010,1001) समलेष्वरी एवं हाइब्रिड (कावेरी 6444) एवं मक्का की हाइब्रिड (हाइसेल 30V93, 30R77, 900 एम. गोल्ड) और सब्जियों, तरबूज, लौकी, भिडी, हल्दी, अदरक आदि की उन्नत खेती वैज्ञानिक मार्गदर्षन में कर रहा है ।

उन्नत तकनीक का अंगीकरण :–

धान – कतार रोपाई एवं श्री विधि से खेती

मक्का – उन्नत तकनीक अपनाते हुए खेती

सब्जियां – उन्नत एवं संकर बीज, बीजोपचार एवं समय पर कृषि कार्य और कीट व्याधियों का उचित नियंत्रण

नाडेप एव वर्मी टांका निर्माण – कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कर उच्च गुणवत्ता के सब्जीयों का फसलत्पादन। डी.पी.ए.पी. द्वारा नाडेप टाकें का निर्माण से वर्ष में 2–3 बार उत्तम क्वालिटी की खाद प्राप्त कर सब्जियों में प्रयोग।

मषरूम उत्पादन – प्रषिक्षण प्राप्त कर मषरूम उत्पादन कर रहा है।

बैकयार्ड मुर्गीपालन – बाड़ी में मुर्गीषेड बनाकर मुर्गीपालन– 60मुर्गीयॉ, ग्रामप्रिया, वनराजा एवं देषी

मछली पालन – जल ग्रहण परियोजना से तालाब निर्माण जिससे मछली पालन एवं बतख पालन कर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त

अदरक एवं हल्दी – अदरक (सुभ्रा) हल्दी (रोमा) की उन्नत तकनीक का अंगीकरण एवं उत्पादन

ड्रिप सिंचाई विधि – नेप परियोजना से बाड़ी में साधारण उच्च दाब ड्रिप सिंचाई विधि की स्थापना एवं सब्जी का उत्पादन

कंदीय फसलों – जिमीकंद (गजेंद्रा) अरबी (पंचमुखी) की उन्नत खेती का अंगीकरण एवं क्रियान्वयन

अंगीकृत उन्नत तकनीक की उपयोगिता एवं प्रभाव :–

सोनूराम ने विगत 5 वर्षो में वैज्ञानिक तकनीक एवं परियोजना से विभिन्न विषयों पर प्रषिक्षण एवं प्रदर्षन प्राप्त कर अपनी स्थानीय कृषि पद्धति में काफी परिवर्तन किया है । वर्ष 2006–07 के बाद सोनूराम ने सिंचाई साधन, तालाब निर्माण, नाडेप वर्मी टांका का निर्माण कर कृषि के उन्नत तकनीक को अपनाया जिससे वर्तमान में उनकी आय एवं फसलोत्पादन में भी आषातीत वृद्धि दर्ज की गयी है । जिससे उसके सामाजिक एवं आर्थिक स्तर मे काफी सुधार आया है । साथ ही जरेबेंदरी, बोलबोला एवं आस–पास के गांवों के लिए एक प्रगतिषील कृषक के रूप में कार्य कर रहा है।

सोनूराम का पूर्व एवं वर्तमान में फसलोंत्पादन एवं आय में तुलनात्मक वृद्धि का स्तरः–

विवरण	अंगीकृत के पूर्व की स्थिति (2006)				अंगीकृत के बाद की स्थिति (2011)			
	रकबा एकड़	किस्म	औसज उपज क्विं/एकड़	शुद्ध आय रू./एकड़	रकबा एकड़	किस्म	औसज उपज क्विं/एकड़	शुद्ध आय रू./एकड़
खरीफ								
धान	1.5	सफरी, लीमा फूल	8–10	3500	1.5	एम.टी.यू. 1010, 1001 समलेष्वरी	18	13800
सब्जी (अदरक, हल्दी, लौकी, भिंडी, पपीता)	0.20	देशी	2–3	1000	0.3	उन्नत एवं संकर	30–40	28000
तालाब	अनुपलब्ध				0.25	रोहू, कतला, मिरगल	4 क्विं	8000
धान	3 एकड़ किराये पर ली गयी				03	संकर	28	19000

रबी								
मक्का					1.00	संकर हाईसेल 30V92	30	23600
सब्जी (भिंडी, लौकी, तरबूज)					0.5	उन्नत/संकर	50–60	56000
मुर्गी पालन					1000	60 नग	32	5000
मक्का	वर्तमान में 2 एकड़ किराये की भूमि में				2.00	900 एम.	32	20600
फसल सधनता	**100 %**				**262 %**			

वर्ष 2006–07 से पहले सोनूराम पारंपरीक खेती, मुर्गी पालन एवं मजदूरी से वर्ष भर में लगभग 12–15 हजार रूपये अर्जित कर पाता था । परंतु आज वह लगभग 1.50 से 1.75 लाख रूपये प्रति वर्ष कमा रहा है यह उसकी मेहनत, लगन एवं वैज्ञानिकों द्वारा क्रियान्वित प्रषिक्षण एवं प्रदर्षन का परिणाम है ।

मुख्य बिंदू :

1. धान की कतार एवं श्री विधि को अपनाना, जिसे देखने गांव एवं अन्य गांवो के कृषकों द्वारा अवलोकन।
2. मक्का की उन्नत तकनीक एवं उत्पादन को गांव के अन्य कृषक देखकर अनुसरण कर रहे हैं।
3. हल्दी एवं अदरक की उन्नत खेती कर अधिक आय प्राप्त कर रहा है।
4. धान का बीजोत्पादन कर अन्य कृषकों को उपलब्ध करना ।
5. नाडेप टांका से कम्पोस्ट खाद तैयार कर उर्वरक की बचत एवं भूमि की उर्वराषक्ति बनाये रखना।
6. कृषि यंत्रों – अंबिका ताउची एवं साइकिल व्हील हो का उपयोग कर श्रम एवं शक्ति की बचत ।
7. वर्तमान में सोनूराम की आय लगभग 1.50 से 1.75 लाख प्रतिवर्ष कमा रहा है ।
8. समय–समय पर आकाषवाणी एवं दूरदर्षन जगदलपुर द्धारा स्थानीय भाषा में कृषि के तकनीकी ज्ञान पर वार्ता करता है।

कृषक सोनूराम द्वारा उन्नत कृषि तकनीक के अंगीकरण की एक झलक (वर्ष 2007 से 2011)